

गैंडों के सींगों में संकुचन

प्रलिस के लिये:

जैवविधिता और पर्यावरण, संरक्षण, IUCN रेड लसिट, इंडियन राइनो वज़िन 2020 । ।

मेन्स के लिये:

गैंडा, इसकी प्रजातियों, खतरे और संरक्षण ।

चर्चा में क्यों?

हाल के एक अध्ययन के अनुसार, समय के साथ **गैंडे** के सींग का आकार संकुचति होता जा रहा है जिसके लिये शिकार को उत्तरदायी माना गया है ।

- इस अध्ययन में पाँच शताब्दियों से अधिक समय तक की जानवर की कलाकृत और तस्वीरों का विश्लेषण कर एक दलिचस्प शोध दृष्टिकोण का इस्तेमाल किया गया है ।
- यह अध्ययन नीदरलैंड स्थिति राइनो रिसर्च सेंटर (RRC) द्वारा नरिमति चित्रों के भंडार पर आधारति था ।

नषिकर्ष:

- गैंडे की पाँच प्रजातियों (अफ्रीका में सफेद और काले गैंडे, एशिया में एक सींग वाला गैंडा, जावन और सुमात्रन राइनो प्रजातियों) अभी भी **भ्रिावास के नुकसान तथा शिकार के कारण संकटग्रस्त हैं** ।
- गंभीर रूप से संकटग्रस्त सुमात्रन राइनो में सींग की लंबाई में गरिवट की दर सबसे अधिक थी और अफ्रीका के सफेद गैंडे में सबसे कम थी, जो जंगली एवं पालतू दोनों मामले में सबसे अधिक पाई जाने वाली प्रजाति है ।
 - यह अवलोकन अन्य जानवरों में देखे गए पैटर्न का अनुसरण करता है, जैसे हाथियों में टस्क का आकार और जंगली भेड़ में सींग की लंबाई में शिकार के कारण कमी आई है ।
- यूरोपीय साम्राज्यवाद (16वीं और 20वीं सदी के बीच) के दौरान गैंडों को आमतौर पर शिकार ट्रॉफियों के रूप में परलिक्षति किया जाता था, लेकिन उन्हें 20वीं सदी के मध्य से एक संरक्षण संदर्भ में तीव्रता से चहिनति किया गया क्योंकि मनुष्य और गैंडों के बीच उपभोगवादी धारणा में सुधार होने से अब यह बेहतर हो गया है ।

राइनो के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य:

- **वषिय:**
 - गैंडों की पाँच प्रजातियों हैं - अफ्रीका में सफेद और काले गैंडे, एशिया में एक-सींग वाले, जावन और सुमात्रन गैंडों की प्रजातियों । ।
- **IUCN की रेड लसिट:**
 - **ब्लैक राइनो:** गंभीर रूप से लुप्तप्राय । अफ्रीकी राइनो की दो प्रजातियों में से एक जिसका आकार छोटा होता है ।
 - **व्हाइट राइनो:** हाल ही में शोधकर्त्ताओं ने **इन वटिरो फर्टिलाइज़ेशन** (In vitro Fertilization) प्रक्रिया का उपयोग करके इस राइनो का एक भ्रूण बनाया है ।
 - **जावा राइनो:** यह IUCN की रेड लसिट में गंभीर रूप से संकटग्रस्त (**Critically endangered**) की श्रेणी में शामिल है ।
 - **सुमात्रन राइनो:** मलेशिया में अब यह वल्लिप्त हो गई है ।
 - **एक सींग वाले गैंडे:** सुभेद्य
- **भारतीय गैंडा:**
 - **वषिय:**
 - भारत में केवल एक सींग वाला गैंडा पाया जाता है ।
 - इसे भारतीय गैंडा (राइनो) के रूप में भी जाना जाता है, यह राइनो प्रजातियों में सबसे बड़ा है ।
 - यह एकल काले सींग और त्वचा की वभिन्न परतों तथा भूरे रंग की खाल से पहचाना जाता है ।

- वे मुख्य रूप से घास के साथ-साथ पत्तियों, झाड़ियों और पेड़ों की शाखाओं, फलों एवं जलीय पौधों से युक्त आहार चरते हैं।
- वे ज़्यादातर चरते रहते हैं और घास के साथ-साथ पत्तियों, झाड़ियों और पेड़ की शाखाएँ, फल और जलीय वनस्पतियाँ खाते हैं।



■ आवास:

- यह प्रजाति इंडो-नेपाल के तराई क्षेत्र, उत्तरी पश्चिमी बंगाल और असम तक सीमित है।
- भारत में गैंडे मुख्य रूप से असम, पश्चिमी बंगाल और उत्तर प्रदेश में पाए जाते हैं।
- असम में चार संरक्षित क्षेत्रों (पोबतौरा वन्यजीव अभयारण्य, राजीव गांधी ओरंग नेशनल पार्क, काज़ीरंगा नेशनल पार्क एवं मानस राष्ट्रीय उद्यान) में 2,640 गैंडे हैं।
 - इनमें से लगभग 2,400 गैंडे काज़ीरंगा नेशनल पार्क और टाइगर रज़िर्व (Kaziranga National Park and Tiger Reserve) में हैं।

■ संरक्षण की स्थिति:

- **IUCN की रेड लिस्ट:** सुभेद्य (Vulnerable)।
- **CITES:** परशिष्ट। (इसमें 'लुप्तप्राय' प्रजातियों को शामिल किया जाता है, जिनका व्यापार किये जाने के कारण उन्हें और अधिक खतरा हो सकता है।)
- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972:** अनुसूची-I।

■ खतरा:

- सींगों के लिये अवैध शिकार
- पर्यावास की हानि
- जनसंख्या घनत्व
- घटती जेनेटिक विविधता

भारत द्वारा संरक्षण के प्रयास:

- राइनो रेंज के पाँच देशों (भारत, भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया और मलेशिया) ने इन प्रजातियों के संरक्षण एवं सुरक्षा के लिये न्यू डेलही डक्लिरेशन ऑन एशियन राइनोज़ (The New Delhi Declaration on Asian Rhinos), 2019 पर हस्ताक्षर किये हैं।
- हाल ही में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने देश में सभी **गैंडों के लिये डीएनए प्रोफाइल** बनाने हेतु एक परियोजना शुरू की है।
- **राष्ट्रीय राइनो संरक्षण रणनीति:** इसे वर्ष 2019 में एक-सींग वाले गैंडों के संरक्षण के लिये लॉन्च किया गया था।
- **इंडियन राइनो वज़िन 2020:** इसे वर्ष 2005 में शुरू किया गया। भारतीय राइनो वज़िन 2020 के तहत वर्ष 2020 तक भारतीय राज्य असम में स्थिति सात संरक्षित क्षेत्रों में फ़ैले एक सींग वाले गैंडों की आबादी को बढ़ाकर कम-से-कम 3,000 से अधिक करने का एक महत्त्वाकांक्षी प्रयास था।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2019)

1. एशियाई शेर प्राकृतिक रूप से केवल भारत में पाया जाता है।
2. दो-कूबड़ वाला ऊँट प्राकृतिक रूप से केवल भारत में पाया जाता है।
3. एक-सींग वाला गैंडा प्राकृतिक रूप से केवल भारत में पाया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2

- (c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

स्रोत: द हट्टु

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rhino-horns-are-shrinking>

